हमारे प्रभु यीषु खिस्त का महिमामय द्वितीय आगमन

यीषु मसीह ''राजाओं के राजा और प्रभुओं के प्रभु'' के रूप में इस दुनिया में फिर से आ रहे हैं, कि वे अपनी धार्मिकतानुसार राष्ट्रों का न्याय करें और अपने उन लोगों के साथ हमेषा रहें जिन्होने अपने जीवन में मसीहा को स्वीकार कर के मसीही जीवन बिताया/बिता रहे हैं, और जिनका नाम ''जीवन की पुस्तक'' में लिखा गया है। क्योंकि, प्रभु आप ही स्वर्ग से उतरेगा उस समय ललकार और प्रधान दूत का षब्द सुनाई देगा, और परमेष्वर की तुरही फूंकी जाएगी, और जो मसीह में मरे हैं, वे पहिले जी उठेंगे। तब हम जो जीवित और बचे रहेंगे, उनके साथ बादलों पर उटा लिये जएंगे कि हवा में प्रभु से मिलें, और इस रीति से हम सदा प्रभु के साथ रहेंगे।

यीषु मसीह फिर से कब आएंगे उस दिन और उस घड़ी के विषय में कोई नहीं जानता, स्वर्गके दूत भी नहीं, परन्तु सिर्फ स्वर्ग में विराजमान पिता। मसीहा के आने का दिन, जो ''प्रभु का दिन'' भी कहलाता है, चोर की नाई आ जाएगा, उस दिन आकाष बडी गड़गड़ाहट के षब्द से जाता रहेगा, और तत्व बहुत ही तप्त होकर पिघल जाएंगे, और पृथ्वी और उस पर के काम जल जाएंगे। पर उसकी प्रतिज्ञा के अनुसार हम एक नये आकाष और नई पृथ्वी की आस देखते हैं जिनमे धार्मिकता बास करेगी।

कौन प्रभु यीषु मसीह के साथ सदैव नही रहेंगे?

मांस और लोहू परमेष्वर के राज्य के अधिकारी नहीं हो सकते। जिनके पाप यीषु मसीह के लोहू द्वारा धुल गए, जो मसीही धार्मिक जीवन जी रहे/जीया है, और जिनका नाम ''जीवन की पुस्तक'' में लिखा है, सिर्फ वे ही परमेष्वर के राज्य के उत्तराधिकारी होगे। 1 कुरंथियों 6 : 9–10; गलतियों 5:19–21; रोमियों 1:29–32; प्रकाषितवाक्य 21:8 तथा प्रकाषितवाक्य 14:9–11 में बाइबल कहती है कि अधर्मी व अन्यायी लोग परमेष्वर के राज्य के वारिस नहीं होंगे।

मसीहा के द्वितीय आगमन से पहले और युग की समाप्ति के चिन्ह क्या होंगे?

इस युग के अंतिम समय में बहुत से ऐसे ह्येगे जो कहेंगे कि ''मै मसीह हू'', इसलिये ऐसे भरमाने वाले लोगों के पीछे न जाएं। परन्तु जब तुम लड़ाइयां और लड़ाइयो की चर्चा सुनोगे तब घबरा न जाना, क्योंकि इनका होना अवष्य है, परन्तु उस समय अन्त न होगा। क्योंकि जाति पर जाति और राज्य पर राज्य चढाई करेगा, और जगह जगह पर अकाल पड़ेंगे, और भुईडोल होंगे, और मरी और आकाष में भयावह और बड़े बड़े चिन्ह दिखेंगे। यह तो पीड़ाओं का आरंम्भ ही होगा। बहुतेरे सताए जाएंगे, पीटे जाएंगे, मार डाले जाएंगे, यहां तक कि माता पिता, भाई, रिष्तेदार, मित्र तथा स्वयं की संतान द्वारा यीषु मसीह के नाम के कारण सब लोग तुमसे बैर करेंगे। परन्तु तुम्हारे सिर का एक बाल भी बांका न होगा। अपने धीरज से तुम अपने प्राणों को बचाए रखोगे। बहुत से झुठे भविष्यद्वक्ता उठ खड़े होंगे और बहुतों को भरमाएंगे। परन्तु जो अन्त तक धीरज धरे रहेगा, उसी का उद्धार होगा। और राज्य का यह सूसमाचार सारे जगत में प्रचार किया जएगा, कि सब जातियों पर गवाही हो, तब अन्त आ जाएगा।

महान क्लेषः

जब तुम यरूषलेम को सेनाओं से घिरा हुआ देखो, तो जान लेना कि उसका उजड जाना निकट है। सो जब तुम उस उजाडने वाली घृणित वस्तु को, जिसकी चर्चा दानियेल भविष्यद्वक्ता के द्वारा हुई थी, पवित्र स्थान में खड़ी हुई देखो, तब जो यहूदिया में हो वे पहाड़ों पर भाग जाएं। मंदिर के विनाष के संबंध में यीषु अपने षिष्यों से कहते हैं ''वे दिन आएंगे जिनमें यहां किसी पत्थर पर पत्थर भी न छूटेगा जो ढाया न जाएगा''। क्योंकि उन दिनों ऐसा भारी क्लेष होगा, जैसा जगत के आरंम्भ से अब तक नहीं हुआ। और यदि प्रभु उन दिनों को न घटाता, तो कौई प्राणी भी न बचता।

उन दिनों के क्लेष के तुरंत बाद सूर्य अंधियारा हो जाएगा और चांद का प्रकाष जाता रहेगा, और तारे आकाष से गिर पडेंगे और पृथ्वी पर देष देष के लोगों को संकट होगा, क्योंकि वे समुद्र के गरजने और लहरों के कोलाहल से घबरा जाएंगे। तब मनुष्य के पुत्र का चिन्ह आकाष में दिखाई देगा और तब पृथ्वी के सब कुलों के लोग छाती पीटेंगे, और यीषु मसीह को बडी सामर्थ और एंष्वर्य के साथ आकाष के बादलों पर आते देखेंगे। यीषु ने कहा ''आकाष और पृथ्वी टल जाएंगे, परन्तु मेरी बातें कभी न टलेंगी।

यीषु मसीह के द्वितीय आगमन के समय पीछे छूट गये लोगों का क्या होगा?

जिन लोगों के नाम जीवन की पुस्तक में लिखे गये है उनके लिये वह उल्लास का दिन होगा और अन्य लोगों के लिये विनाष का दिन होगा। प्रभु अपने मुंह की फुत्कार से तथा अपने आने की चौंधियाने वाली चमक से उन लोगों का विनाष करेंगे जिनका नाम जीवन की पुस्तक में नहीं पाया जाएगा।

1000 वर्ष का मसीह का राज्य

मसीहा के आगमन के बाद षैतान एक हजार वर्प के लिये बांधा जाएगा। प्रभु के पवित्र लोग इन हजार वर्पों में मसीहा के साथ राज्य करेंगे। तब मृत्यु नही होगी और हर कोई आनंद और शांती के साथ खुष रहेगा, क्योंकि षांती का राजकुमार उन पर राज्य करेगा। मसीहा के हजार वर्प के राज्य के पष्चात षैतान को मुक्त किया जाएगा ताकि वह मसीहा का धार्मिकता–पूर्ण राज्य देखे। परन्तु, षैतान राप्ट्रों में जाकर लोगों को एक बार फिर भरमाकर इकट्ठा करेगा ताकि परमेष्वर के पवित्र लोगों से लड़ाई करे। परन्तु स्वर्ग से परमेष्वर की आग उतरकर उन्हें भस्म करेगी और षैतान हमेषा के लिये नरक कुंड में डाल दिया जाएगा।

न्याय का बडा ष्वेत सिंहासन

षैतान को आग की झील ;नरकाग्नीद्ध में डालने के बाद, यीषु मसीह मृतकों का और राप्ट्रों का अपनी धार्मिकतानुसार न्याय करेंगे। जिनका नाम जीवन की पुस्तक में नहीं पाया जाएगा वे आग की झील में डाल दिये जाएंगे। जिनका नाम जीवन की पुस्तक में पाया जाएगा वह मसीहा के साथ नए स्वर्ग, नई पृथ्वी, नए यरूषलेम में अनंत जीवन पाएंगे। वहां मृत्यु न रहेगी, और न षोक, न विलाप, न पीड़ा रहेगी।

मैं अपने जीवन में इस उद्धार के दान को कैसे प्राप्त कर सकता हूं ताकि मैं मसीहा के साथ हमेषा के लिये रह सकूं?

हमें सिर्फ यीषु मसीह पर विष्वास लाना होगा, उसे पूरे और सच्चे मन से स्वीकार करें, बिनती करें कि वे अपने पवित्र लोहू से आपके पापों की क्षमा करें और अभी से प्रतिदिन ऐसा जीवन जीएं जो मसीह को ग्रहणीय हो।

इस प्रार्थना को दुहरायें – ;प्रार्थना का अर्थ है मन ही मन परमेष्वर से बात करनाद्ध

प्रभु यीषु, मेरे लिए तथा मेरे पापों के लिए इस दुनियां में आने के लिए धन्यवाद। मैं जैसा हुं वैसे ही आपको ग्रहण करता हु। मेरे मन में आइए, अपने मुल्यवान लोहू से मुझे और मेरे पापों को धो दीजिए। मेरे मन में सदैव रहें और मेरी सहायता करें ताकि मैं आपकी तरह पवित्र जीवन जी सकू। मै आपको और आपके पवित्र आत्मा को मेरे मन में आमंत्रित करता हुं ताकि मुझे आनंद, षांती, खुषी और पापों से छुटकारा तथा रोग दुःखों से हमेषा के लिए मुक्ती मिले। आप हमेषा मेरे साथ हैं यह आष्वासन देने के लिए धन्यवाद। यीषु मसीह के नाम से यह प्रार्थना करता हूं – आमीन

यदि आपने सच्चाई के साथ यह प्रार्थना की है तो आपने यीषु मसीह को अपने दिल से स्वीकार किया है और आपका नाम जीवन की पुस्तक में लिखा जाएगा। वह ;यीषुद्ध हमेषा आपके साथ होगा। वह आपको न छोड़ेगा न त्यागेगा।

यदि आपको प्रार्थना की आवष्यकता है, या आप यीषु के बारे अधिक जानना चाहते हैं तब आप नजदीक की मसीही मंडली/चर्च ;जो त्रैक परमेष्वर – अर्थत परमेष्वर पिता, यीषु मसीह और पवित्र आत्मा – में विष्वास रखते हैंद्ध से संपर्क करें अथवा हमें info@Christforworld इस पते पर ई–मेल करें।